9.11-17 — online entry

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, धनबाद

एम० पी० केश नं० ......606....../20.17...... धारा 107 द.प्र.स.

तिथि	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पत्र पर की गई कारवाई
12.4.17	गिरिजन तिवारी बनाम कन्हैया प्र० कुशवाहा ......जोरापोखर...... थाना अप्राथमिकी सं० ...22/17... प्राप्त हुआ। अवलोकन से स्पष्ट होता है कि जाँच पदाधिकारी स० अ०नि०/अ०नि० ......जोरापोखर...... ने जाँच कर अपना प्रतिवेदन थाना प्रभारी ......जोरापोखर...... थाना एवं अ० निरी०......जोरापोखर...... ने अग्रासारित किया है जिसमें उल्लेख है कि उभय पक्षों की बीच ....जमीन संबंधी विवाद को...... लेकर तनाव है। उभय पक्ष कानून को अपने हाथों में लेकर स्थानीय परिशांति भंग करने पर तुले हुए तथा एक दूसरे के जान-माल पर खतरा पहुँचा सकते है। प्रतिवेदन से स्पष्ट होता है कि पक्षों के बीच गंभीर तनाव व्याप्त है तथा इनके कार्यों से कभी भी लोक परिशांति भंग हो सकती है। पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर मैं उभय पक्षों के विरूद्ध धारा 107 द०प्र०सं० की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए उभय पक्षों को निर्देश देता हूँ कि वे मेरे न्यायालय में दिनांक ......9.5.17...... को 10.30 बजे पूर्वाह्न उपस्थित होकर अपना कारण पृच्छा दाखिल करें कि क्यों नहीं लोक परिशांति बनाये रखने के लिए आपके ₹ 5000.00 रू० का दो समप्रतिभुतियों के साथ बन्धपत्र लिया जाय। लेखापित एवं संशोधित अनुमंडल दण्डाधिकारी धनबाद — अनुमंडल दण्डाधिकारी धनबाद	1/5/17 25/5/17 5/6/17 15/6/17 29/6/17 12/7/17 27/7/17 11/8/17 24/8/17 7/9/17 19/9/17 3/10/17 16/10/17 01/11/17 14/11/17 28/11/17 13/12/17 समाप्त

TR-68/17

14/11/17. प्रथम पक्ष की हाजरी है,
द्वितीय पक्ष श्री की हाजरी है। धारा 115 का आवेदन है
जिसे —— किया जाता है।

दि० 28/11/17

कोर्ट

28.11.17
कालवाधित

उभय पक्षों की 115 का आवेदन है।
13/12/17 को रखें।

13/12/17.

उभय पक्षों की ओर 115 का आवेदन है
जिसे —— किया जाता है
कालवाधित होने हेतु कारण वाद की
कार्यवाही न्यायहित एवं कार्य हित में
समाप्त की जाती है।

Prem
13/12/17

Digitally signed by PREM KUMAR TIWARY
Date: 2023.04.08 11:06:20 +05:30
Location: 192.168.29.43

Scanned with OKEN Scanner